बी.एड. (प्रथम वर्ष)

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

द्विवर्षीय पाठ्यक्रम

बी. एड.

प्रथम वर्ष

2 0 _ _ - 2 0 _ _

कार्यशाला आधारित प्रायोगिक कार्य

प्रायोगिक सत्रीय कार्य प्रश्न उत्तर पुस्तिका (प्रेक्टिकम)

छात्राध्यापक का नाम	:	.....
नामांकन क्रमांक	:	.....
कार्यक्रम केन्द्र	:	.....
क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र	:	.....
उपस्थित दिवस संख्या	:	.....

हस्ताक्षर छात्राध्यापक	हस्ताक्षर अध्ययन-केंद्र अवलोकनकर्ता	हस्ताक्षर बाह्य परीक्षक

नोट - कुल 10 प्रश्नों में से किन्ही 03 प्रश्नों के उत्तर कार्यशाला आधारित प्रायोगिक कार्य (प्रेक्टिकम) की प्रायोगिक कार्य पुस्तिका में लिखकर जमा करेंगे।

15 पन्ना कोरा

प्रकाशक

कुलसचिव, पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

मुद्रण - मुद्रणालय, पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

द्विवर्षीय पाठ्यक्रम

बी. एड.

प्रथम वर्ष

2 0 _ _ - 2 0 _ _

कार्यशाला आधारित प्रायोगिक कार्य

गाडनिंग / बुक बाइण्डिंग / रिपोर्ट राइटिंग / फोटोग्राफी

छात्राध्यापक का नाम	:	.....
नामांकन क्रमांक	:	.....
कार्यक्रम केन्द्र	:	.....
क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र	:	.....
उपस्थित दिवस संख्या	:	.....

हस्ताक्षर छात्राध्यापक	हस्ताक्षर अध्ययन-केंद्र अवलोकनकर्ता	हस्ताक्षर बाह्य परीक्षक

नोट - आबंटित समूह के अनुसार किसी एक की कापी / फाईल / एलबम जमा करेंगे।

10 पन्ना कोरा

प्रकाशक

कुलसचिव, पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

मुद्रण - मुद्रणालय, पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

द्विवर्षीय पाठ्यक्रम

बी. एड.

प्रथम वर्ष

20 __ __ - 20 __ __

कार्यशाला आधारित प्रायोगिक कार्य

(सूक्ष्म शिक्षण)

छात्राध्यापक का नाम : ....

नामांकन क्रमांक : ....

कार्यक्रम केन्द्र : ....

क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र : ....

उपस्थित दिवस संख्या : ....

हस्ताक्षर
छात्राध्यापक

हस्ताक्षर
अध्ययन-केंद्र अवलोकनकर्ता

हस्ताक्षर
बाह्य परीक्षक

नोट - 7 कौशल के लिए कुल 7 सूक्ष्म शिक्षण पाठ योजना कार्यशाला आधारित प्रायोगिक कार्य सूक्ष्म शिक्षण की प्रायोगिक कार्य पुस्तिका में लिखकर जमा करेंगे।

सूक्ष्म अध्ययन
(Micro teaching)

अध्यापकों को कक्षा में प्रशिक्षण देने हेतु सूक्ष्म अध्यापन एक नवाचारी प्रक्रिया है। इसे नियंत्रित अभ्यास की प्रक्रिया बताया गया है, जिसमें किसी एक विशेष अध्यापन कौशल का अभ्यास किया जाता है।

सूक्ष्म अध्यापन की परिभाषा क्लिफ्ट (1970) ने निम्नानुसार दी है -

Micro Teaching is a teaching training procedure which reduces the teaching situation to a simple and more controlled encounter achieved by limiting the practise teaching to a specific skill and reducing teaching time and class size.

सूक्ष्म अध्ययन चक्र
(Micro teaching Cycle)

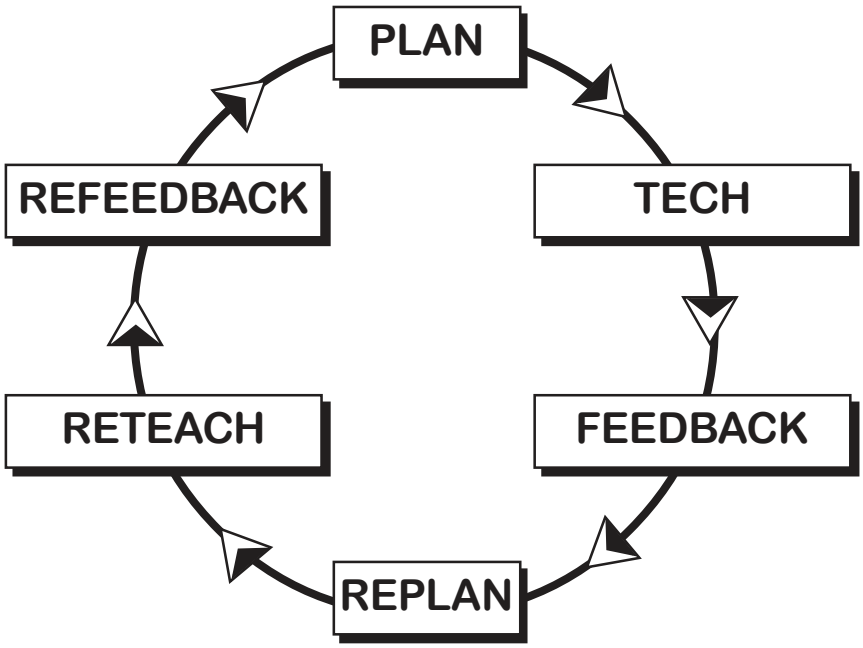

सूक्ष्म अध्ययन क्यों अपनाया जाए :

- ❖ सूक्ष्म अध्यापन आधुनिक कला की एक अत्यन्त उपयोगी विद्या है क्योंकि इसमें सिद्धांत और व्यवहार के एकीकरण में सहायता मिलती है।
- ❖ अध्यापक में व्यावसायिक परिपक्वता आती है।
- ❖ यह तकनीक अध्यापकों के सेवा पूर्व एवं सेवा कालीन दोनों प्रशिक्षणों हेतु उपयोगी है।
- ❖ इससे अध्यापकों का सतत् प्रशिक्षण संभव हो जाता है।
- ❖ इस विद्या में अध्यापक अपनी अध्यापन क्षमता का स्वयं मूल्यांकन व स्वयं विश्लेषण कर सकता है।
- ❖ इसमें पर्यवेक्षण का नया स्वरुप मिलता है।
- ❖ इस विधि से आदर्श पाठकों का विडियो टेप या आडियो टेप बनाकर उसे उदाहरणार्थ प्रस्तुत किया जा सकता है।

अध्यापन कौशल

सूक्ष्म अध्यापन में निम्नांकित अध्यापन कौशलों का उपयोग किया जाता है -

एक अच्छा शिक्षक - प्रशिक्षण सदैव अपने प्रशिक्षार्थियों में विशिष्ट शिक्षण-कौशल में निपुणता प्रदान करता है। अतः एक छात्राध्यापक के लिए आवश्यक हो जाता है कि वह शिक्षण कौशलों का अर्थ समझे, उनकी धारणाओं से परिचित हो और उन पर पूर्ण अधिकार प्राप्त करने में समर्थ हो। तभी वह एक अच्छा निपुण शिक्षक बन सकता है। सूक्ष्म शिक्षण शिक्षण-कौशल पर आधारित होता है। निम्न शिक्षण-कौशल जिनका प्रयोग करके शिक्षक अपने शिक्षण को अधिक सक्रिय व प्रभावशाली बना सकता है। वे इस प्रकार हैं :

1. प्रस्तावना कौशल (Introduction Skill)
2. पुर्नबलन कौशल (Reainforcement Skill)
3. दृष्टांत कौशल (Illustrating Skill)
4. व्याख्यान कौशल (Lecturing Skill)
5. श्यामपट कौशल (Blackboard Skill)
6. उद्दीपन परिवर्तन कौशल (Stimulus Variation Skill)

सूक्ष्म शिक्षण पाठ योजना

कौशल : .....

कक्षा : ..... दिनांक : .....

विषय : ..... काल खण्ड : .....

प्रकरण : ..... समय : .....

छात्राध्यापक का नाम : .....

छात्र पर्यवेक्षक का नाम : .....

- कौशल के घटक -

1. : .....

2. : .....

3. : .....

4. : .....

5. : .....

6. : .....

प्रस्तुतीकरण -

क्र.	शिक्षण कार्य	छात्र कार्य	श्यामपट / श्रव्य / दृश्य-सामग्री	उपयोगी घटक

प्रस्तुतीकरण -

क्र.	शिक्षण कार्य	छात्र कार्य	श्यामपट / श्रव्य / दृश्य-सामग्री	उपयोगी घटक

10 पन्ना कोरा

प्रकाशक

कुलसचिव, पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

मुद्रण - मुद्रणालय, पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

द्विवर्षीय पाठ्यक्रम

बी. एड.

प्रथम वर्ष

2 0 _ _ – 2 0 _ _

मेंटर समीक्षा - पुस्तिका

(मेंटर द्वारा अवलोकन)

विषय - 1 (हिन्दी शिक्षण / अँग्रेज़ी शिक्षण / गणित शिक्षण)

वर्ष ..... विषय .....

छात्राध्यापक का नाम .....

नामांकन क्रमांक .....

कार्यक्रम केन्द्र .....

क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्र .....

जिला .....

हस्ताक्षर
अवलोकनकर्ता

हस्ताक्षर
छात्राध्यापक

नोट - 02 विषयों की पाठ योजना कुल 20 योजना (प्रत्येक विषय हेतु - 10 योजना)।

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

द्विवर्षीय पाठ्यक्रम

बी. एड.

प्रथम वर्ष

2	0			–	2	0		

मेंटर समीक्षा - पुस्तिका

(मेंटर द्वारा अवलोकन)

विषय - 2 (जीव विज्ञान शिक्षण / भौतिकी विज्ञान शिक्षण / सामाजिक विज्ञान शिक्षण)

वर्ष .... विषय ....

छात्राध्यापक का नाम ....

नामांकन क्रमांक ....

कार्यक्रम केन्द्र ....

क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्र ....

जिला ....

हस्ताक्षर
अवलोकनकर्ता

हस्ताक्षर
छात्राध्यापक

नोट - 1. 01 विषय की पाठ योजना कुल 10 पाठ योजना (प्रत्येक विषय हेतु - 10 योजना)।
2. मेंटर द्वारा 05 मूल्यांकित होना चाहिए।
3. शिक्षण प्रशिक्षण द्वारा 05 समालोचना मूल्यांकित होना चाहिए।

समीक्षा प्रपत्र

(मेंटर द्वारा समीक्षा)

दिनांक .....

शिक्षक का नाम .....

विषय ..... प्रकरण .....

कक्षा ..... काल खण्ड ..... विद्यालय .....

1. **प्रस्तावना का विवरण :**
   1. माध्यम (कथन / प्रश्न / चित्र दर्शाकर / प्रयोग / अन्य कोई हो तो लिखें)

      .....
   2. प्रभावशीलता .....
   3. उपयुक्तता .....
   4. प्रस्तावना सम्बंधी अभिमत .....

      .....

      .....

2. **उद्देश्य कथन का विवरण :**
   1. किया गया / नहीं किया गया .....
   2. उपयुक्तता .....
   3. उद्देश्य कथन सम्बंधी अभिमत .....

      .....

      .....

3. **प्रस्तुतीकरण का विवरण :**
   1. पाठ किस प्रकार प्रारंभ किया गया- विधि लिखें .....
   2. क्या प्रयुक्त विधि उपयुक्त थी ? .....
   3. यदि प्रयुक्त विधि उपयुक्त नहीं थी तो क्या उपयुक्त होता ? .....
   4. पाठ का विकास किस प्रकार किया गया .....
   5. किया गया पाठ्यांश समयानुसार उपयुक्त था ? .....
   6. बोध प्रश्न पूछे गये ? .....
   7. बोध प्रश्न सम्बंधी आपका अभिमत .....

4. **पुनरावलोकन का विवरण :**
   1. पुनरावलोकन किस प्रकार किया गया ? .....
   2. पुनरावलोकन उपयुक्त था या नहीं ? (आपका अभिमत) .....

5. **अनुप्रयोग का विवरण :**

1. अनुप्रयोग किस प्रकार किया गया ? .....
2. उपयुक्त सम्बंधी अभिमत ? .....

6. **श्यामपट कार्य पर अपना अभिमत दें :** .....

.....

.....

7. **प्रश्नोत्तर :**

1. क्या छात्रों से प्रश्न पूछे गये ? .....
2. क्या प्रश्नों की संख्या पर्याप्त थी ? .....
3. क्या सभी प्रश्न पाठ्यवस्तु से सम्बधित थे ? .....
4. क्या विस्तारात्मक प्रश्न पूछे गये ? .....
5. क्या बोधगम्य प्रश्न के उत्तर सही पाये गये ? .....
6. यदि प्रश्न के उत्तर नहीं मिले तो कारण ? .....
7. प्रश्न करने का दक्षता सम्बंधित अपना अभिमत- .....

.....

.....

8. **सहायक सामग्री :**

1. सहायक सामग्री के रुप में किन सामग्रियों का उपयोग किया गया - .....
   तात्कालिक रेखाचित्र, लपेट श्यामपट, चित्रित चित्र, प्रादर्श प्रयोग हेतु सामग्री अन्य कोई ?
2. सहायक सामग्री पर अपना अभिमत - .....

.....

9. **शिक्षक का व्यक्तित्व :** .....

.....

10. **अध्यापन में सुधार लाने हेतु आपके सुझाव :** .....

.....

.....

11. **अध्यापन का मूल्यांकन -**

1. क्या छात्रों को समझने में सफलता मिली ? .....
2. क्या छात्रों ने अध्यापन में रुचि दिखाई ? .....
3. क्या अध्यापन प्रभावशील था ? .....
4. शिक्षक के अध्यापन का प्रशंसनीय तत्व (कोई एक) .....
5. शिक्षक में रोके जाने योग्य दोष (कोई एक) .....

मूल्यांकनकर्ता आचार्य हस्ताक्षर

छात्राध्यापक हस्ताक्षर

प्रकाशक

कुलसचिव, पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

मुद्रण - मुद्रणालय, पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

द्विवर्षीय पाठ्यक्रम

बी. एड.

प्रथम वर्ष

20__ - 20__

प्रदर्शनकारी कला एवं शिक्षण

छात्राध्यापक का नाम : ....

नामांकन क्रमांक : ....

कार्यक्रम केन्द्र : ....

क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र : ....

उपस्थित दिवस संख्या : ....

हस्ताक्षर छात्राध्यापक	हस्ताक्षर अध्ययन-केंद्र अवलोकनकर्ता	हस्ताक्षर बाह्य परीक्षक

नोट - केन्द्र द्वारा आबंटित प्रश्नों के उत्तर प्रदर्शनकारी कला एवं शिक्षण की प्रायोगिक कार्य पुस्तिका में लिखकर जमा करेंगे। अध्ययन-सामग्री में दिए गए विषयों / प्रकरणों पर शिक्षण में कला के महत्व पर तथा स्वयं की कला प्रदर्शित करते हुए online viva देना होगा।

20 पन्ना कोरा

प्रकाशक

कुलसचिव, पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

मुद्रण - मुद्रणालय, पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

द्विवर्षीय पाठ्यक्रम

बी. एड.

प्रथम वर्ष

2	0			-	2	0		

पाठ योजना पुस्तिका

विद्यालय विषय शिक्षण

विषय - 1 (हिन्दी शिक्षण / अँग्रेज़ी शिक्षण / गणित शिक्षण)

वर्ष .... विषय ....

छात्राध्यापक का नाम ....

नामांकन क्रमांक ....

कार्यक्रम केन्द्र ....

क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्र ....

जिला ....

हस्ताक्षर
अवलोकनकर्ता

हस्ताक्षर
छात्राध्यापक

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

द्विवर्षीय पाठ्यक्रम

बी. एड.

प्रथम वर्ष

20__ - 20__

पाठ योजना पुस्तिका

- विद्यालय विषय शिक्षण -

विषय - 2 (जीव विज्ञान शिक्षण / भौतिकी विज्ञान शिक्षण / सामाजिक विज्ञान शिक्षण)

वर्ष .... विषय ....

छात्राध्यापक का नाम	....
नामांकन क्रमांक	....
कार्यक्रम केन्द्र	....
क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्र	....
जिला	....

हस्ताक्षर
अवलोकनकर्ता

हस्ताक्षर
छात्राध्यापक

पाठ योजना

किसी भी कार्य के सफलतापूर्वक संचालन हेतु योजना की आवश्यकता होती है। बिना योजना के किये जाने वाले कार्य उस नाविक के मंजिल तक पहूचने के प्रयास के समान होती है जिसके पास दिक्सूची नहीं है।

कक्षा में पाठ प्रस्तुत करने के बहुत से घटक होते है। उन सभी घटकों पर यदि अनदेखी किया जाय तो पाठ सफल होने की सम्भावना क्षीण हो जाती है।

पाठ सम्पादन हेतु कुछ महत्वपूर्ण घटक निम्नानुसार है -

1 अध्यापन हेतु कक्षा

2 विषय एवं उसके कठिनाई स्तर के आधार

3 प्रकरण

4 छात्रों की औसत आयु तथा उनकी मानसिक योग्यता

5 अध्यापन कालखंड तथा शारीरिक/मानसिक थकान की स्थिति

6 छात्रों के प्रकरण संबंधी पूर्वज्ञान

उक्त घटकों के आधार पर किसी भी कक्षा/विषय हेतु पाठ योजना विकसित की जा सकती है। पाठ योजना निर्माण मे सबसे पहले सामान्य जानकारी प्रस्तुत करनी होती है।

सामान्य उद्देश्य - इसके अंतर्गत उस कक्षा मेंउक्त विषय के अध्यापन के मूल उद्देश्यों का समावेश किया जाता है।

विशिष्ट उद्देश्य - विषय में जिस पाठ/प्रकरण का समावेश किया जाता हो उसके अध्यापन के उद्देश्यों का समावेश किया जाता है। उदाहरण के तौर पर कक्षा 4थीं के भाषा विषय में 'अब्बू खाँ की बकरी' प्रकरण लिया गया हो तो इसके विशिष्ट उद्देश्य में बकरी से संबंधित बातें न हो कर उसमें स्थित भाषायी कौशल, व्याकरण, मुहावरें/लोकोक्तियाँ आदि से संबंधित होना चाहिए।

पूर्वज्ञान - नवीन ज्ञान का आधार उससे संबंधित पूर्व ज्ञान होता है। प्रकरण से संबंधित छात्र के पूर्व ज्ञान का अनुमान कर उसे लिखा जाना चाहिए।

सहायक शिक्षण सामग्री - अध्यापन मे उपयोग किए जाने वाले आवश्यक सामग्री के अलावा उपयोग किये जाने वाले सामग्री सहायक शिक्षण सामग्री होती है।

प्रस्तावना - प्रस्तावना के प्रश्न, छात्रों के पूर्वज्ञान से संबंधित होने चाहिए। प्रश्नों का क्रम सरल से कठिन की ओर होना चाहिए।

उद्देश्य कथन - उद्देश्य कथन पूर्व वाक्य में होना चाहिए।
जैसे - ''आज हम ..... के बारे में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण - पाठ को आवश्यकतानुसार दो अन्वितियों में अध्यापन करना उचित होगा।

बोधगम्य प्रश्न - पाठ अध्यापन के दौरान महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर किए जाने वाले प्रश्न बोधगम्य प्रश्न कहलाते है।

पुनरावलोकन प्रश्न - दोनों अन्वितियों के अध्यापन के पश्चात् किये जाने वाले प्रश्न पुनरावलोकन प्रश्न कहलाते है।

अभ्यास - अभ्यास कार्य कक्षा में किए जाने वाले कार्य होते है।

गृहकार्य - छात्रों में स्व-अध्ययन के गुण को विकसित करने के लिए गृहकार्य दिया जाना पाठयोजना का आवश्यक अंग है।

पाठ योजना का विस्तृत प्रारुप आगामी पृष्ठों में दिया गया है।

पाठ योजना प्रारूप

पाठ योजना क्र.....

कक्षा - ..... विषय - .....

प्रकरण - ..... कालखंड - .....

अवधि - ..... दिनांक - .....

शाला - .....

1. सामान्य उद्देश्य :

1.

2.

3.

4.

2. विशिष्ट उद्देश्य :

1.

2.

3.

3. सहायक शिक्षण सामग्री :

4. पूर्वज्ञान : छात्रों का प्रकरण सम्बंधी पूर्वज्ञान के बिन्दु उल्लेखित करें।

5. प्रस्तावना : प्रश्नोत्तर / कहानी / कविता / मोहावरा / लोकोक्तियों एवं सहायक शिक्षण सामग्री के माध्यम से किया जा सकता है।

6. उद्देश्य कथन :

7. प्रस्तुतीकरण :

प्रथम अन्विति

अध्यापन विधि का संकेत-

पाठ्य सामग्री	शिक्षण विधि		श्यामपट कार्य
	अध्यापक कार्य	छात्र कार्य	

बोधगम्य प्रश्न

1

2

3

द्वितीय अन्विति

अध्यापन विधि का संकेत-

पाठ्य सामग्री	शिक्षण विधि		श्यामपट कार्य
	अध्यापक कार्य	छात्र कार्य	

बोधगम्य प्रश्न

1

2

3

8. पुनरावलोकन प्रश्न :

1

2

3

4

9. अनुप्रयोग :

10. गृहकार्य

हस्ताक्षर अवलोकनकर्ता

हस्ताक्षर छात्राध्यापक

पाठ-सूची

कार्यक्रम क्रमांक	दिनांक	विषय	कक्षा	शाला	पाठों की संख्या	निरीक्षक के हस्ताक्षर

50 पन्ना कोरा

प्रकाशक

कुलसचिव, पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

मुद्रण - मुद्रणालय, पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर